युवा उद्योगपति और साल्टी ग्रुप के चेयरमैन श्री सूर्य प्रकाश बागला कहते हैं कि अगर आने वाले समय में पारिवारिक-सामाजिक मूल्यों को बरकरार रखना है तो बच्चों को बचपन से ही संस्कार-संस्कृति के बारे में बताना-समझाना होगा।

घातक है ____

अनाप-शनाप

खर्च करने की प्रवृत्ति

माज बड़ी तेजी से बदल रहा है और बदलते हुए इस दौर में पारिवारिक-सामाजिक जीवन का हर पहलू नये रंग-रूप में दिख रहा है। समाज में अनाप-शनाप खर्च करने की प्रवृत्ति काफी घातक साबित हो रही है। कोई रोक-टोक नहीं। हर तरफ मनमानी चल रही है। कहीं कोई बोलने वाला नहीं, कहीं कोई सुनने वाला नहीं। पार्टियों में मदिरापान आम बात हो गई है। शादी-ब्याह के मौके पर धन का प्रदर्शन करना शान-शौकत से जोड़कर देखा जाने लगा है। जन्म दिन की पार्टियां, वैवाहिक वर्ष गांठ की पार्टियां, पता नहीं कितनी पार्टियां मनाई जाने लगी। ठीक है, जन्म दिन या विवाह की वर्षगांठ मनाना बुरी बात नहीं है। लेकिन खर्च की, प्रदर्शन करने की कहीं न कहीं कोई सीमा होनी चाहिए। शादी-ब्याह के मौके पर ६-७ पार्टियां! इसकी क्या जरूरत है? क्या एक ही दिन सभी को नहीं बुलाया जा सकता। क्या एक पार्टी देने से लोगों का सत्कार नहीं हो सकता। यह कथन है युवा उद्योगपति और साल्टी ग्रुप के चेयरमैन श्री सूर्य प्रकाश बागला का, जो 'विश्वमित्र' के साथ एक खास बातचीत में समाज के मौजूदा परिदृश्य पर टिप्पणी कर रहे थे।

श्री बागला कहते हैं कि धन का प्रदर्शन करने से समाज में गलत नजीर पेश होती है। लोगों में होड़ करने की प्रवृत्ति पनपती है। क्यों न हम ऐसी नजीर पेश करें, जिससे आने वाली पीढ़ी को सीख मिले। समाज में सुधार हो, परिवारों को शिक्षा मिले, बच्चों के लिए उदाहरण पेश हो। श्री बागला का कहना है कि हमारे पास अगर पैसा है तो इसका मतलब यह नहीं कि हम उसे बेतरतीब तरीके से खर्च करें। अगर पैसा है तो इसी समाज ने ही तो दिया है। हमें समाज से मिले हुए धन का समाज में ही इस्तेमाल करना चाहिए। समाज की जरूरतों को पूरा करने में खर्च करना चाहिए। लोगों के उपचार के लिए, गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए, बच्चों के नाम स्कॉलरशिप के लिए। इस तरह के कामों में धन खर्च करने की जरूरत है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम धन का किस तरह से इस्तेमाल करते हैं, हम समाज को, परिवार को किस नजरिए से देखते हैं, इस सबका असर हमारे बच्चों पर पड़ता है। क्यों न हम बचपन से ही बच्चों को समाज और परिवार के महत्व को बताएं-समझाएं ताकि उनमें भी समाज सेवा के प्रति भावना जागृत हो। श्री बागला कहते हैं कि पता नहीं लोगों को एक बात क्यों नहीं समझ में आती कि संस्कार और संस्कृति बाजार में बिकने वाली चीज नहीं है।

• (शेष पृष्ठ ११ पर)

घातक है अनाप-शनाप...

यह पैसे से नहीं खरीदी जा सकती। दुर्भाग्यवश हमारा नजरिया ही कुछ इस तरह का होता जा रहा है, जहां यह समझा जाता है कि सब कुछ पैसे से हासिल हो जाएगा। समाज में बढ़ रहे तलाक के मामले हों, लिव इन रिलेशन की बात हो या फिर ओल्ड एज होम का चलन हो, इस सबके पीछे संस्कार और संस्कृति का अभाव ही बड़ी वजह पायी जा रही है। श्री बागला तकरीबन बीस साल से रियल इस्टेट व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। अब तक आपके साल्टी ग्रुप ने लगभग १२५ परियोजनाओं का निर्माण किया है, जिसमें वाणिज्यिक एवं आवासीय परियोजनाएं शामिल हैं। वर्तमान में एक आवासीय परियोजना राजारहाट में, १८५ कमरों का स्टूडियो अपार्टमेंट, एक परियोजना बालीगंज में तथा सॉल्टलेक के सेक्टर ५ में २ परियोजनाएं चल रही हैं, जबकि ३ परियोजनाएं शीघ्र ही आने वाली हैं। 'क्राउन प्लाजा' नाम से सॉल्टलेक में एक आधुनिक सुख-सुविधाओं से सुसज्जित पांच सितारा होटल भी आ रहा है। २० अप्रैल १९६५ में कोलकाता में जन्में श्री सूर्य प्रकाश बागला श्री गोपाल बागला के सुपुत्र हैं। आपकी शिक्षा-दीक्षा कोलकाता में ही हुई। भवानीपुर गुजराती एजुकेशन सोसाइटी से स्नातक श्री बागला रियल इस्टेट से संबद्ध साल्टी ग्रुप के चेयरमैन हैं। साल्टी ग्रुप लंबे अर्से से रियल इस्टेट व्यवसाय से जुड़ा हुआ है और कई आवासीय-वाणिज्यिक परियोजनाओं का निर्माण कर चुका है। श्री बागला व्यवसाय के साथ ही साथ सामाजिक-सांस्कृतिक संस्थाओं-संगठनों से भी जुड़े हुए हैं। आप आल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, आल इंडिया वैश्य फेडरेशन, विधाननगर विकास मंच, विधाननगर हार्टिकल्चर सोसाइटी, विधाननगर संस्कृत संसद, विधाननगर स्वीमिंग एसोसियेशन, हिन्दुस्तान क्लब, इंडिया रेड क्रास सोसाइटी एवं इंस्टीच्यूट आफ एजुकेशन एंड सोशल वेलफेयर से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। श्री बागला जिन-जिन संस्थाओं से जुड़े हुए हैं, उनकी एक लम्बी सूची है। आपको कई प्रतिष्ठामूलक पुरस्कारों से भी नवाजा जा चुका है।